

AFRI Scientist Dr Tarun Kant receives B.P. Pal Memorial Award



Dr Tarun Kant, Scientist-E of Arid Forest Research Institute, Jodhpur has been awarded 'B.P. Pal Memorial Award'. Dr Kant received the award on 3rd January 2016 from the honourable Prime Minister Shri Narendra Modi at the inaugural function of the 103rd Annual Session of the Indian Science Congress held at Mysore University, Mysuru. To commemorate the birth centenary of the great Indian Scientist Prof. B.P. Pal, the Indian Science Congress Association instituted the B.P. Pal Memorial award in 1989 to be given in every alternate year to honour Indian scientists of the country for their scientific contributions.

Dr Tarun Kant has been involved in forestry research since 1999 using biotechnology and molecular biology tools. He has been involved in development of tissue culture propagation techniques and DNA fingerprinting for several important and endangered plants. Dr Tarun Kant has also carried out research leading to understanding expression pattern of genes in halophytic plants growing under high saline conditions as well as new gene discovery. Such genes can be used for developing salt tolerant plants.

The Indian Science Congress Association (ISCA) is a professional body under Department of Science & Technology, Ministry of Science & Technology, Government of India. ISCA is now 103 years old and the largest scientific association of the country and owes its origin to the foresight and initiative of two British Chemists, namely, Professor J. L. Simonsen and Professor P.S. MacMahon. The first meeting of the Congress was held from January 15-17, 1914 at the premises of the Asiatic Society, Calcutta, with the Honourable Justice Sir Asutosh Mukherjee, the then Vice-Chancellor of the Calcutta University, as President.

NEWS BRIEF

आफरी के वैज्ञानिक डॉ. तरुणकांत पुरस्कृत

आफरी के वैज्ञानिक डॉ. तरुणकांत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीपी पाल मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया है। डॉ. कांत को यह पुरस्कार मैसूर विवि में 103वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सत्र में प्रदान



किया गया। प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर बीपी पाल की जन्म शताब्दी की याद में 1989 से हर एक वर्ष छोड़कर किसी भारतीय को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। आफरी निदेशक एनके वासु ने बताया कि डॉ. तरुणकांत 1999 से वानिकी शोध में कार्यरत हैं तथा जैव तकनीकी एवं मोलिक्यूलर जीव विज्ञान विषय में शोध कार्य कर रहे हैं। डॉ. तरुण कांत ने लवणीय पौधों में नवीन जीन की खोज के साथ उनकी आनुवांशिकी पर कार्य किया है। जिनसे इन जीन्स की लवणीयता सहन करने वाले पादपों हेतु विकसित किया जा सके।

आफरी के वैज्ञानिक डॉ. तरूणकान्त पुरस्कृत

जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर के वैज्ञानिक डॉ. तरूणकान्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित बीपी पॉल मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया है। डॉ. कान्त को यह पुरस्कार मैसूर विवि में 103वें भारतीय विज्ञान कॉन्फ्रेंस के वार्षिक सत्र में प्रदान किया गया। प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर बीपी पाल की जन्म शताब्दी की याद में 1989 से हर एक वर्ष छोड़कर किसी भारतीय को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों हेतु दिया जाता है।

आफरी निदेशक एनके वासु ने बताया कि डॉ. तरूण कान्त 1999 से वानिकी शोध में कार्यरत है तथा जैव तकनीकी एवं मोलीक्यूलर जीव विज्ञान विषय में शोध कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण एवं लुप्त प्राय प्रजातियों पर टिश्यू कल्चर एवं डीएनए फिंगर प्रिंटिंग जैसी नवीन तकनीकी का प्रयोग कर विकसित करने का कार्य किया है।



डॉ. तरूण कान्त ने लवणीय पौधों में नवीन जीन की खोज के साथ उनकी आनुवांशिकी पर कार्य किया है। जिनसे

इन जीन्स की लवणीयता सहन करने वाले पादपों हेतु विकसित किया जा सके।



आफरी के वैज्ञानिक डॉ. तरूणकान्त पुरस्कृत

जोधपुर, 7 जनवरी। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के वैज्ञानिक डॉ. कांफ्रेंस के वार्षिक सत्र में प्रदान किया गया। प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर बी.पी. पाल की जन्म



शताब्दी की याद में 1989 से हर एक वर्ष छोड़कर किसी भारतीय को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों हेतु दिया जाता है।

आफरी निदेशक एन. के. वासु भावसे ने बताया कि डॉ. तरूण कान्त 1999 से वानिकी शोध में कार्यरत हैं तथा जैव तकनीकी एवं मोलीक्यूलर जीव विज्ञान विषय में शोध कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण एवं लुप्त प्राय प्रजातियों पर टिश्यू कल्चर एवं डी.एन.ए. फिंगर प्रिन्टिंग जैसी नवीन तकनीकी का प्रयोग कर विकसित करने का कार्य किया है। डॉ. तरूण कान्त ने

तरूणकान्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित बी.पी. पॉल मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया है। डॉ. कान्त को यह पुरस्कार मैसूर विश्वविद्यालय में 103वें भारतीय विज्ञान

लवणीय पौधों में नवीन जीन की खोज के साथ उनकी आनुवांशिकी पर कार्य किया है। जिनसे इन जीन्स की लवणीयता सहन करने वाले पादपों हेतु विकसित किया जा सके।